

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान हैं।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. निम्न कुण्डली के लिए बृहस्पति एवं शनि का भिन्नाष्टक वर्ग की गणना करें व उनके आधार इन ग्रहों के फलों पर प्रकाश डालें।

लग्न - कुम्भ 10:53, सूर्य - तुला 07:33 चन्द्र - धनु 16:58 मंगल - वृश्चिक 17:46, बुध - वृश्चिक 00:44, गुरु - कन्या 16:32, शुक्र - वृश्चिक 22:10, शनि - मकर 16:51, राहु - कुम्भ 03:21 (जन्म 24.10.1933, 14:15 बजे, पुरी)

2. निम्न कुण्डली के सर्वाष्टक वर्ग का अध्ययन कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें।
पुरुष 18.06.1976, 03:00 मसूरी

भाव	ग्रह	राशि	बिन्दु
1	लग्न, गुरु, केतु	मेष	38
2	बुध	वृषभ	27
3	सूर्य, शुक्र	मिथुन	17
4	मंगल, शनि	कर्क	30
5	-	सिंह	22
6	-	कन्या	31
7	राहु	तुला	26
8	-	वृश्चिक	24
9	-	धनु	25
10	-	मकर	30
11	चन्द्रमा	कुंभ	36
12	-	मीन	31

क) इस कुण्डली में शुभ भाव कौन से है?

ख) इस कुण्डली का सबसे बलहीन भाव कौन सा है? कारण सहित उत्तर दें।

ग) आय भाव में 36 व कर्मभाव में 30 बिन्दुओं का क्या अभिप्राय है?

घ) तृतीय भाव में 30 बिन्दुओं से आप क्या समझते हैं?

ङ) जातक के जीवन में कौन सा भाग समृद्धिशाली होगा? तर्क सहित उत्तर दें।

3. प्रश्न 2 में दी गई कुण्डली के समुदायाष्टक के आधार पर 1,3,4,6,7 व 10 वें भाव पर प्रकाश डालें?

4. निम्न का उत्तर दें :-

क. शोध्य पिण्ड

- ख. एकाधिपत्य शोधन
 ग. त्रिकोण शोधन
 घ. कक्षा तथा गोचर फल कथन में इसका उपयोग
5. अष्टकवर्ग पद्धति से आयुर्दाय गणना किस प्रकार करते हैं? उदाहरण सहित समझाएं।

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. एक जातक, जो किसी यात्रा पर निकला था, की सकुशलता के संबंध में 8:45 प्रातः 2 सितम्बर 2009 को प्रश्न किया गया। इस प्रश्न के लिए कुण्डली इस प्रकार है।

लग्न 23क.47	सूर्य 15 सिंह 48	चन्द्रमा 17मकर37
मंगल 10मि.40	बुध 11 कन्या 02	गुरु(व) 25मकर45
शुक्र 13कर्क43	शनि 29सि.03	राहु 5 मकर 46
केतु 5कर्क46		

- उपरोक्त के आधार पर कारण सहित उत्तर दें कि जातक किस स्थिति में है व सकुशल है अथवा नहीं? क्या जातक वापस लौटेगा?
7. किसी प्रश्न की सत्यता का आप किस प्रकार पता लगाएंगे? प्रश्न कुण्डली में सभी भावों का महत्व बताएं।
8. एक जातक आपके पास एक अन्य अस्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी के लिए प्रश्न करता है। इस स्थिति में आप किस प्रकार से प्रश्न कुण्डली का अवलोकन करेंगे? उदाहरण सहित समझाएं।
9. उपयुक्त उदाहरण सहित निम्न योगों पर प्रकाश डालें :-
 क. इत्थसाल योग
 ख. इशाराफ योग
 ग. काम्बूल योग
 घ. मणरु योग
10. क. एक से अधिक प्रश्न का उत्तर ज्योतिषी किस प्रकार देता है?
 ख. ज्योतिषी यह कैसे जानेगा कि कोई वस्तु गुम हुई है या चोरी हुई है? कम से कम दो योग बताएं।
 ग. ज्योतिषी यह कैसे जानेगा कि रोग निदान त्रुटि पूर्ण है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्न कुण्डली के लिए उच्च बल व केन्द्र बल की गणना करें :-
लग्न कर्क 19:37, सूर्य मकर 20:06, चन्द्र मकर 29:17,
मंगल कन्या 04:32, बुध मकर 05:18, बृहस्पति मेष 23:28, शुक्र मकर
03:07, शनि कुम्भ 11:21, राहु वृषभ 28:25 ।
2. निम्न का उत्तर दें :-
 - i) 110 अंश के शनि का उच्च बल कितना होगा?
 - ii) सिंह में वर्गोत्तम गुरु का युग्मयुग्म बल कितना होगा?
 - iii) आय भाव में स्थित चन्द्रमा को कितना केन्द्र बल प्राप्त होगा?
 - iv) कन्या राशि में 24° पर स्थित बुध को कितना द्रेष्काण बल मिलेगा?
 - v) मध्य रात्रि में जन्में जातक के मीन राशि स्थित बुध को कितना नत्तोनत बल प्राप्त होगा?
 - vi) यदि जन्म 16 वें होरा में हो तो बृहस्पति को कितना होरा बल मिलेगा?
 - vii) भचक्र के अधिकतम उत्तर व दक्षिण बिन्दुओं पर किस ग्रह को सदा अधिकतम आयन बल प्राप्त होता है?
 - viii) बृहस्पति को शिर्षोच्च बिन्दु पर कितना चेष्टा बल मिलेगा?
 - ix) चन्द्रमा को कितना नैसर्गिक बल प्राप्त होता है?
 - x) यदि द्वितीय भाव मध्य कन्या में है तो इस भाव को कितना भाव बल प्राप्त होगा?

3. प्रश्न 1 में दिए जन्मांग के लिए पक्ष बल की गणना करें।

4. किसी जन्मांग में विभिन्न ग्रहों द्वारा प्राप्त षडबल इस प्रकार हैं :-

ग्रह	षडबल	ग्रह	षडबल
सूर्य	468.5	बृहस्पति	609.9
चन्द्र	381.4	शुक्र	358.2
मंगल	486.6	शनि	357.2
बुध	444.4		

i) उपरोक्त सूचना के आधार पर सभी ग्रहों के उनके बल के अनुसार क्रमवार लिखें।

ii) इष्ट फल व कष्ट बल का प्रयोग लिखें।

5. संक्षिप्त में लिखें :-

i) अयन बल

ii) नैसर्गिक बल

iii) चेष्टा बल

भाग-II (भाव निर्णय)

6. i) दुःख स्थानों प विस्तार से चर्चा करें।
ii) विपरीत राज योग समझाएं।
7. निम्न जातक के लिए दशांश का प्रयोग करते हुए उनके कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
लग्न मिथुन 26:54, सूर्य मीन 08:37, चन्द्र सिंह 17:44, मंगल वृष 26:46, बुध मीन 18:56, गुरु (व) वृश्चिक 08:40, शुक्र मेष 09:36, शनि धनु 13:17, राहु कन्या 19:47 (23.03.1959, 12:37, गोरखपुर)
शेष दशा - शुक्र 13 व 4 मा 22 दि.
8. सप्ताशं व द्वादशांश का प्र. 7 की कुण्डली के आधार पर उपयोग बताएं।
9. टिप्पणी लिखें :-
 - i) भाव निर्णय में स्थायी कारको का प्रयोग
 - ii) क्रूर ग्रहों का छटे भाव में प्रभाव
 - iii) बृहस्पति का नवम भाव स्थिति का प्रभाव यदि वह उच्च, नीच, मूल या अपनी राशि में हों।
10. i) नीच भंग राज योग समझाएं।
ii) निम्न घटनाएं कुण्डली में कैसे देखेंगे?
क. दुर्घटनाएं ख. संतान का अभाव

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक ओर प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न कुण्डली के लिए अशायु की गणना करें :-
जन्म : 25.08.1944
लग्न - सिंह 21:00, सूर्य - सिंह 09:36, चन्द्र - तुला 28:51,
मंगल - कन्या 05:01, बुध(व) - सिंह 29:15, गुरु(अ) - सिंह 13:00,
शुक्र - सिंह 26:02, शनि - मिथुन 14:48, राहु कर्क 03:58,
केतु - मकर 03:58
2. निम्न के कुछ योग बताएं :-
क. मध्यायु
ख. अरिष्ट भंग योग
3. किन्हीं दो के उत्तर दें :-
क. मारक ग्रह क्या हैं?
ख. मारक ग्रहों की क्रमवार सूची से क्या समझते हैं?
ग. आयु अन्तराल विभाजन से क्या समझते हैं?
4. अल्पआयु के योग बताएं। निम्न कुण्डली का विश्लेषण करते हुए बताएं कि यह अल्पायु में है या नहीं?
जन्म 25.08.1982
लग्न - वृषभ 17:56, सूर्य - सिंह 08:36, चन्द्र - वृश्चिक 01:27,
मंगल - तुला 19:46, बुध - कन्या 03:66, गुरु - तुला 11:34,
शुक्र - कर्क 20:13, शनि (व) - कन्या 25:27, राहु - मिथुन 18:37,
केतु - धनु 18:27
5. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-
क. क्रोदय हरण
ख. बालरिष्ट
ग. दीन-मृत्यु
घ. खर ग्रह

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. सत्य या असत्य बताएं :-
i) शनि के कारण जोड़ों का दर्द होता है।
ii) काल पुरुष की कुण्डली में मीन राशि पैरों को दर्शाती है।
iii) नवम भाव का तीसरा द्रष्टा दाया घुटना दर्शाता है।

- iv) चन्द्रमा बाल्यकाल का ग्रह है।
 - v) शुक्र का पित्त स्वभाव है।
 - vi) अशुभ द्रष्टाओं को पाश द्रष्टा कहते हैं।
 - vii) जल राशियाँ रोगों को सर्वाधिक अवरोधित करती हैं।
 - viii) द्वितीय भाव बायीं आखँ दिखाता है।
 - ix) गुरु यकृत को दर्शाता है।
 - X) अष्टम भाव में शुभ ग्रह लम्बी बिमारियों को दिखाते हैं।
7. तृतीय, सप्तम, अष्टम व एकादश भाव कौन से शरीर के अंग के स्वामी हैं। ये अंग किन ग्रहों के आधीन हैं।
8. कुछ योग बताएं :-
- क. आन्त्र पुच्छ रोग (एपेन्डिसाइटिस)
 - ख. माइग्रेन
 - ग. पाईल्स
 - घ. कुष्ठ रोग
9. निम्न जातक किस प्रकार के रोग से पीड़ित है व उसकी मृत्यु किस प्रकार हुई होगी? अपने ज्योतिषीय विश्लेषण में द्रष्टा का भी प्रयोग करें।
- जन्म 16.3.1974, 01:25, दशा शेष - केतु 06 व 01 मा 0 दि.
- लग्न - धनु 02:13, सूर्य - मीन 01:21, चन्द्र - धनु 01:38,
- मंगल - वृषभ 15:43, बुध - कुंभ 05:17, गुरु - कुंभ 08:12,
- शुक्र - मकर 16:39, शनि - मिथुन 04:34, राहु - धनु 00:18,
- केतु - मिथुन 00:18
10. किन्ही दो पर टिप्पणी लिखें :-
- क. रोग का समय
 - ख. अच्छे स्वास्थ्य के योग
 - ग. लम्बे समय चलने वाली बिमारियों के योग

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न कुण्डली अध्ययन कर बुध महादशा में बुध, चन्द्र व गुरु की अन्तरदशा पर चर्चा करें व फल बताएं।
जन्म 12.05.1968, 20:50, दिल्ली, बुध महादशा 8.7.1991 से प्रारम्भ
लग्न - वृश्चिक 22:18, सूर्य - मेष 28:32, चन्द्र - तुला 29:52,
मंगल वृषभ 09:25, बुध - वृषभ 16:55, गुरु - सिंह 03:04, शुक्र - मेष 18:04, शनि - मीन 26:31, राहु - मीन 24:58 केतु - कन्या 24:58
2. प्रश्न 1 में दी कुण्डली के लिए
क. योगिनी महादशा का प्रथम चक्र बनाएँ।
ख. इस प्रथम चक्र के फल बताएँ। विशेष तौर पर कर्म क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
3. निम्न कुण्डली का अध्ययन करें व बताएं कि जातक की नौकरी कब लगी होगी। विवाह की क्या सम्भावनाएं हैं? किस अन्तर दशा व प्रत्यन्तर दशा में विवाह की सम्भावना है? कारण सहित बताएं।
जन्म 18.4.1940, 6:30 प्रातः, चेन्नई, दशा शेष - शुक्र 7 व 0 मा 7 दि
लग्न - मेष 13:10, सूर्य - मेष 04:09, चन्द्र - सिंह 21:59, मंगल - वृषभ 06:02, बुध - मेष 23:52, गुरु (व) - तुला 08:07, शुक्र - मेष 24:33,
शनि - मेष 16:47, राहु - कुंभ 17:36, केतु - सिंह 17:36
4. निम्न जातक की कुण्डली का अध्ययन करें :-
जन्म 15.7.1968, 03:40 प्रातः, इलाहाबाद, दशा शेष - गुरु 02 व 11 मा 01 दि
लग्न - मिथुन 05:44, सूर्य - मिथुन 29:04, चन्द्र - मीन 00:54, मंगल - मिथुन 22:21, बुध - मिथुन 08:39, गुरु - सिंह 11:24, शुक्र - कर्क 05:49, शनि - मेष 01:40, राहु - मीन 22:43, केतु - कन्या 22:43
विंशोत्तरी दशा का प्रयोग करते हुए बताएं :-
क. कर्म क्षेत्र ख. वैवाहिक जीवन
5. घटनाओं की समयावधि की गणना में विंशोत्तरी दशा पद्धति के प्रयोग पर प्रकाश डालें।

भाग-II (गोचर)

6. बृहस्पति ग्रह कुंभ राशि में 20 दिसम्बर 2009 को 00:15 बजे से संचार करेगा।
क. एक जातक, जिसकी राशि तुला है, के लिए मूर्ति निर्णय ज्ञात करें।
ख. इस गोचर का धनु राशि वाले जातक के लिए फलादेश करें।

7. उन कारणों की चर्चा करें जिनके आधार पर साढ़े साती के शुभ व अशुभ फल ज्ञात करते हैं।
8. क. एक जातक का जन्म नक्षत्र आर्द्रा है, इस जातक का विपत तारा ज्ञात करें।
ख. मन्त्रेश्वर की फलदीपिका के अनुसार शनि के अंग फल व उनके फल बताएं।
9. द्वि ग्रह गोचर क्या है? विवाह व व्यवसाय के समयावधि बताने के लिए द्वि गोचर का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है? एक एक उदाहरण भी दें।
10. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
क. कक्षा क्या हैं? समझाएं।
ख. आर्द्रा जन्म नक्षत्र वाले जातक के लिए चन्द्रमा की लत्ता स्थिति क्या होगी?
ग. सप्त शलाका चक्र के फलादेश में प्रयोग आने वाली मुख्य बातें बताएं।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य है। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. निम्न जातक की चर दशा की गणना करें व उसके कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
जन्म 26.9.1932, झेलम (पाकिस्तान) 14:00, दशा शेष: बुध 13व 6मा 5दि, पुरुष
लग्न - धनु 23:52, सूर्य - कन्या 6:08, चन्द्र - कर्क 19:24, मंगल - कर्क 10:26, बुध कन्या 7:40, गुरु - सिंह 17:00, शुक्र - कर्क 25:08, शनि (व) मकर 05:13, राहु कुंभ 24:08 केतु सिंह 24:08
2. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
क. अर्गला का सिद्धान्त
ख. त्रिकोण दोष का नियम
ग. आरूढ लग्न का फलादेश में प्रयोग
3. कारकांश की परिभाषा दें। प्र. 1 में दिए जातक की शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धि पर प्रकाश डालें तथा बताएं कि क्या जातक ने देश में या विदेश में या देश व विदेश दोनों में शिक्षा पाई?
4. प्रश्न 1 के जातक के लिए उपपद का प्रयोग करते हुए उनके पारिवारिक जीवन पर प्रकाश डालें।
5. जैमिनी के आयुर्दाय निर्धारण के नियमों की चर्चा करें तथा निम्न जातक की आयु का निर्धारण करें।
जन्म : 14/15.11.1935, 4:30 प्रातः, तंजौर, पुरुष, दशा शेष : गुरु 11व. 3 मा. 3 दि.
लग्न - तुला 4:10, सूर्य - तुला 28:41, चन्द्र - मिथुन 23:57, मंगल - धनु 19:57, बुध - तुला 14:26, गुरु - वृश्चिक 08:19, शुक्र - कन्या 12:03, शनि - कुंभ 10:34, राहु - धनु 21:02, केतु मिथुन 21:02

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
i) मेलापक में दोष सम्य की गणना (दोषों को निष्प्रभाव करना)
ii) कन्या व वर का एक ही नक्षत्र
iii) कन्या के नक्षत्र से वर के 22 वें नक्षत्र के मिलान का अपवाद
iv) विष कन्या योग
v) कूट मिलान की महत्ता

7. वैवाहिक मतभेद के क्या कारण होते हैं? क्या ऐसे योग निम्न कुण्डली में उपलब्ध है? चर्चा करें।

जन्म 23.2.1975, 18:35 घण्टे, दिल्ली, पुरुष, दशा शेष : शनि 16व5मा1दि
लग्न - सिंह 15:35, सूर्य - कुंभ 10:46, चन्द्र - कर्क 05:09, मंगल - मकर
00:43, बुध - मक 16:50, गुरु - मीन 0:56, शुक्र - मीन 6:39,
शनि - मिथुन 18:44, राहु - वृश्चिक 12:19, केतु - वृषभ 12:19

8. विवाह काल की गणना की पद्धति पर प्रकाश डालें। अपने उत्तर में निम्न पुरुष व महिला की कुण्डली का प्रयोग करें।

लग्न/ग्रह पुरुष	राशि	अंश	कला	लग्न/ग्रह महिला	राशि	अंश	कला
लग्न	कन्या	26	22	लग्न	सिंह	17	04
सूर्य	वृषभ	03	19	सूर्य	कर्क	19	28
चन्द्र	कर्क	18	04	चन्द्र	मिथुन	11	24
मंगल	वृषभ	07	29	मंगल	कर्क	01	27
बुध (व)	मेष	24	33	बुध	सिंह	13	24
गुरु (व)	वृश्चिक	13	38	गुरु	वृश्चिक	07	32
शुक्र	मिथुन	16	23	शुक्र (व)	सिंह	15	46
शनि (व)	तुला	05	35	शनि	तुला	05	07
राहु	मिथुन	01	44	राहु	मिथुन	00	28
पुरुष - जन्म 18.5.1983, 16:00 बजे, दिल्ली, बुध - 15 व 2 मा 20 दि				महिला - जन्म 6.08.1983, 07:57, दिल्ली, राहु - 11 व 7 मा 15 दि			

9. बताएं कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य?

- यदि सप्तमेश बली है व सप्तम भाव पर शुभ प्रभाव हैं तो विवाह होगा।
- यदि बृहस्पति अपने मित्र नवांश में है तो विवाह होगा।
- यदि द्वितीयेश और सप्तमेश प्रथम, चतुर्थ या पंचम में से किसी एक भाव में हो तो विवाह निश्चित ही होगा।
- बृहस्पति या बुध यदि मंगल या सूर्य के नवांश में हो तो विवाह होता है।
- चन्द्रमा या शुक्र या दोनों यदि सप्तम भाव में हो तो विवाह होता है।
- यदि शुक्र लग्न में व लग्नेश सप्तम में हो तो विवाह होता है।
- द्वितीयेश व आयेश यदि परिवर्तन में हो तो विवाह होता है।
- यदि शुक्र उच्च का व सप्तमेश शुभ स्थान में हो तो विवाह अवश्य होता है।
- यदि लग्नेश व सप्तमेश में परिवर्तन हो तो विवाह होता है।
- सप्तमेश व अष्टमेश में परिवर्तन की स्थिति में विवाह में विलम्ब होता है।

10. क. विवाह विलम्ब के पांच योग बताएं।

ख. शीघ्र विवाह के पांच योग बताएं।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. दिए गए जन्मांग का विशलेषण करते हुए निम्न प्रश्नों का उत्तर दें:-
क. कार्य क्षेत्र की उपलब्धियों पर चर्चा करें।
ख. जो योग इस जन्मांग में है, उन पर चर्चा करें।
जन्म : 2.11.1965, 2.30 रात्रि, दिल्ली, शेष दशा : चन्द्रमा 1 व 4 मा 9 दि।
लग्न सिंह 21:48, सूर्य तुला 15:52, चन्द्रमा मकर 21:32, मंगल वृश्चिक 27:20, बुध वृश्चिक 6:07, बृहस्पति (व) मिथुन 7:39, शुक्र धनु 2:25, शनि (व) कुंभ 17:14, राहु वृषभ 11:37, केतु वृश्चिक 11:37।
2. एक महिला की जन्म पत्रिका नीचे दी गई है। उसके आधार पर महिला के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।
जन्म : 12.11.1972, 17:45, दिल्ली, दशा शेष : शनि 7 व 8 मा 10 दि।
लग्न मिथुन 19:11, सूर्य धनु 27:55, चन्द्रमा वृश्चिक 11:16, मंगल मीन 17:23, बुध धनु 7:32, बृहस्पति धनु 1:23, शुक्र कुंभ 1:29, शनि (व) वृषभ 6:26, राहु मकर 11:49, केतु कर्क 11:49।
3. आप यह निश्चय कैसे करते हैं कि किसी जातक के पास अंचल सम्पत्ति हैं? निम्न जन्मांग की सहायता से निर्धारित करें।
जन्म : 12.12.1940, 5.30 प्रातः, 18उ.06, 74पू. 36; शेष दशा शुक्र 2 व 11 मा 20 दि. - पुरुष।
लग्न वृश्चिक 7:20, सूर्य वृश्चिक 26:47, चन्द्रमा मेष 24:41, मंगल तुला 21:02, बुध वृश्चिक 10:32, गुरु(व) मेष 13:15, शुक्र तुला 26:02, शनि(व) मेष 15:35, राहु कन्या 15:27, केतु मीन 15:27।
4. किन्ही दो के ज्योतिषीय कारण लिखें :-
क. सन्तान का न होना
ख. विदेश में निवास
ग. कार्य क्षेत्र में उथल पुथल
5. प्र. 3 के जन्मांग के लिए सप्ताश बनाए व जातक की संतान के कार्य क्षेत्र व उनकी उपलब्धियों पर चर्चा करें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. क. हवाई दुर्घटना के कोई पांच योग लिखें।
ख. यह पत्रिका 2.9.2009 को 8:38 प्रातः हैदराबाद से हवाई यात्रा की है

जिसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री व चालक की जल कर मृत्यु हुई। इस दुर्घटना पर इस पत्रिका के आधार पर चर्चा करें :-

लग्न कन्या 20:15, सूर्य सिंह 15:47, चन्द्रमा मकर 17:29, मंगल मिथुन 10:40, बुध कन्या 11:01, गुरु (व) मकर 25:45, शुक्र कर्क 13:42, शनि सिंह 29:03, राहु मकर 05:46, केतु कर्क 05:46 ।

7. अकाल के लिए कौन से योग उत्तरदायी होते हैं? चर्चा करें।
8. वर्षा की स्थिति बताने के लिए सप्तनाड़ी चक्र का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है?
9. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-
 - क. भूकम्प के योग
 - ख. सोने व चांदी की कीमतों में उछाल
 - ग. बंवडर के योग
10. क. देश में महामारी के योग
ख. मंगल व शनि का अग्नि दुर्घटना में योगदान